जनपद सिद्धार्थनगर की भ्रमण आख्या

डॉ0 अनिल कुमार मिश्र, महाप्रबन्धक (प्रशिक्षण) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नेतृत्व में श्री अरविन्द कुमार त्रिपाठी, कन्सलटेन्ट, ट्रेनिंग एवं डॉ0 रईस अहमद, कन्सलटेन्ट, मातृ स्वास्थ्य की भ्रमण टीम द्वारा जनपद सिद्वार्थनगर का दिनांक 23 से 25 मई 2017 को भ्रमण किया गया। भ्रमण आख्या निम्नवत् है–

<u>सी.एच.सी. इटवा– जनपद सिद्धार्थनगर</u>

- भ्रमण के दौरान डा0 वी0 के0 वैध (अधीक्षक) डा0 आर0 पी0 गौड, डा0 संदीप द्विवेदी एवं बी0सी0पी0एम0 श्री मान बहादुर उपस्थित रहें।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लम्बे समय से भवन का उपयोग एवं उचित रख–रखाव ना होने के कारण भवन जर्जर अवस्था में आ गया है। भवन की चाबी की अनुपलब्धता होने के कारण कमरों को अन्दर से नहीं देखा जा सका। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि परिसर में ओ0पी0डी0 भवन का निर्माण सन् 1924 में किया गया है। उक्त भवन के एक ही कमरे में समस्त चिकित्सा अधिकारियों द्वारा मरीजों को देखा जा रहा है। भवन में साफ–सफाई एवं विद्युत व्यवस्था अत्यन्त खराब थी। वर्तमान समय में भवन को निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका है। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी वार्ता हुई एवं उनसे आवश्यक कार्यवाही हेतु अनुरोध किया गया ।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में स्थित 30 शैय्या भवन की स्थिति भी उचित रख–रखाव न किये जाने के कारण खराब अवस्था में है, इस भवन के रैम्प पूर्णतया क्षतिग्रस्त है। उक्त भवन में जे0एस0वाई0 वार्ड, प्रसव कक्ष कोल्ड चेन रूम, स्टोर एवं प्रयोगशाला आदि का संचालन किया जा रहा हैं। भवन के प्रथम तल पर दो वार्ड हैं। जिसमें से एक वार्ड प्रयोग में लाया जा रहा है। दूसरे वार्ड में बेड, गद्दे एवं क्रेडल (पालना) आदि विखरे पडे थे। प्रसव कक्ष में गंदगी पायी गयी एवं डिलिवरी ट्रे एवं दवायें भी मानकानुसार उपलब्ध नहीं थे। डिलीवरी टेबल पर कैलीस पैड नहीं था, लेबर रूम की खिडकियों के शीशे क्षतिग्रस्त थे एवं खिडकियों पर पर्दे नहीं थे। लेबर रूम की स्थिति को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि प्रभारी अधिकारी एवं सम्बन्धित कर्मचारियों द्वारा समुचित ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं। भवन में कलर कोडेड डस्टबिन प्रोटोकाल एवं बायोलाजिकल वेस्ट मैनेजमेंट के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। प्लेसेन्टा एवं प्रसव सम्बन्धी अन्य कचरे को पालीथीन में बाँध कर रैम्प के नीचे रखा जा रहा है।
- चिकित्सलय में एक अन्य भवन उपलब्ध है जिसमें बी0पी0एम0यू0 एवं जे0एस0वाई0 पेमेन्ट का कार्य किया जाता है। चिकित्सालय में चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के आवासीय भवनों की स्थिति भी ठीक नहीं है एवं मरम्मत की आवश्यकता है।
- 30 शैय्यायुक्त मैटरनिटी विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है एवं हस्तांतरित भी कर दी गयी है परन्तु उसका पूर्ण उपयोग नहीं हो रहा है।
- सर्पोटिव सुपरविजन एवं आर0बी0एस0के0 के वाहन उपलब्ध नहीं थे।
- लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे नही पाये गये। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारी से बात करने दौरान पता चला सेवन ट्रे अलमारी में रखी हुयीं हैं और देखने पर पाया गया कि कई दिनों से स्टरलाइज्ड नहीं।
- ऑक्सीटोसीन खुले में पड़ा था जिसे निर्धारित मापदण्ड के अनुसार 2 से 8 डिग्री (फ्रीज में) तापमान में नहीं रखा गया था।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत अत्यधिक भुगतान लम्बित पाये गये। जननी सुरक्षा योजना के अर्न्तगत माह अपैल 2016 से मार्च 2017 तक 3227 के लाभार्थी के सापेक्ष कुल 2892 लाभाथीयो का भुगताना किया गया है।एवं आशा द्वारा लायी गयी लाभाथीयों 2533 के सापेक्ष 2286 आशाओं का भुतान किया गया है। माह अपैल 2017 से मई 2017 तक 388 लाभाथीयो के सापेक्ष 231 का भुतान किया जा चुका है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत लाभाथीयो को दिये जाने वाले भोजन व्यवस्था में मात्र अण्डा ,दूध एवं ब्रेड की सुविधा प्रदान की जा रहीं थी।
- 2015 से अब तक मात्र एक सिजेरियन प्रसव किया गया है। किसी भी महिला चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गयी है।

- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत एक पन्नेवाला पुराना फॉर्म भराया जा रहा है जिसमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार दो कॉपी में लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र संलग्न नही है। अतः छुट्टी के समय भुगतान से सम्बन्धीत लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी भी लाभार्थी को नही दिया जा रहा है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत डाइट रजिस्टर जॉच के लिए उपलब्ध नही कराया गया।
- पर्याप्त प्रोटोकॉल आई०ई०सी० वार्ड नही लगे थे। जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं का प्रचार प्रसार भी नहीं किया गया था।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।
- बायो वेस्ट डिस्पोजल का प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है। अलग रंगों की तीनों डस्टबिन नही पाये गये।
- जे0ई0 हेतु चार बैड वाला एक अतिरिक्त वॉर्ड बनाया गया है।

भ्रमण दल द्वारा सम्बंधित अधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सिद्धार्थनगर को निम्न सुझाव दिये गये–

- ओ0पी0डी0 को वर्तमान स्थान से हटा के आई0पी0डी0 भवन में लाया जा सकता है। इस हेतु भूतल पर दो कक्षों को एवं प्रथम तल पर दो कक्षों को चिन्हित किया गया। इन कक्षों के मरम्मत आदि आने वाला व्यय में रोगी कल्याण समिति के मद से नियमानुसार किया जा सकता है।
- प्रथम तल पर उपलब्ध वार्ड एवं शौचालयों की मरम्मत करायी जानी चाहिए। उक्त हेतु व्यय भी रोगी कल्याण समिति के मद से नियमानुसार किया जा सकता है।
- सर्पोटिव सुपरविजन एवं आर0बी0एस0के0 के वाहन तुरन्त उपलब्ध कराये जायें।
- जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं ब्यापक प्रचार –प्रसार किये जाने का सुझाव दिया गया।
- उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार सूची तैयार करने का सुझाव दिया गया।
- आक्सीटोसीन 2 से 8 डिग्री तापमान में फ्रीज में रखने का सुझाव दिया गया।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे रोकने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव कक्ष की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये एवं बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से किया जाये।

I

जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर

मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधक एवं डी0सी0पी0एम0 के साथ दल ने जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर का भ्रमण किया। वस्तु स्थिति निम्नवत् है–

- एस0एन0सी0यू0 के वार्ड के निरीक्षण बिन्दु निम्नवत् है–
  1. वार्ड में 12 की क्षमता के सापेक्ष 08 बच्चे भर्ती थे।
  2. कार्यरत ड्युटी नर्सों ने टीम को मास्क लगाने का निर्देश दिया, जो कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उचित कदम था।
  3. 08 स्टाफ नर्स में 02 मैटरनिटी लीव पर है एवं 06 कार्यरत है।
  4. अस्पताल में 03 बाल रोग विशेषज्ञ है किन्तु इस वार्ड में ऑन काल व्यवस्था है। वार्ड में स्टाफ नर्स के स्तर पर ही कार्य का सम्पादन हो रहा है। चिकित्सकों के रोटेशन पर वार्ड की जिम्मेदारी प्रदान करने का सुझाव दिया गया।
  5. वार्ड में 01 सक्शन मशीन खराब थी, जिसे ठीक करने की सलाह दी गयी।
  6. सी0एम0ओ0 एवं सी0एम0एस0 द्वार अवगत कराया गया कि रेट कान्ट्रेक्ट न होने के कारण इंजेक्शन फीनोवार्बिटोन अनुपलब्ध है।
- जे0ई0/ए0ई0एस0 वार्ड के निरीक्षण बिन्दु निम्नवत् है–

1. मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा चिकित्सक वर्ग की कमी के सम्बंध में अवगत कराया कि नवीन भर्ती हेतु प्रकिया जारी है। वार्ड में 20 संविदा स्टाफ नर्स के सापेक्ष 19 कार्यरत है।
2. सभी 10 वेंटीलेटर कियाशील पाये गये। सफाई व्यवस्था एवं स्थान व्यवस्थापन हेतु सी0एम0ओ0 एवं सी0एम0एस0 को संयुक्त पर्यवेक्षण तथा कार्यरत स्टाफ के साथ साप्ताहिक मीटिंग एवं सामान्य प्रबोधन का सुझाव दिया गया।

- जिला महिला अस्पताल की सफाई व्यवस्था अच्छी एवं व्यवस्थित पायी गयी परन्तु अस्पताल में कलर कोडेड डस्टबिन नहीं पाया गया। बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है।
- ऑक्सीटोसीन खुले में ट्रे पड़ा था जिसे निर्धारित मापदण्ड के अनुसार 2 से 8 डिग्री (फ्रीज में) तापमान में नहीं रखा गया था।
- लेबर रूम के न्यू बॉर्न केयर टेबल में मौजूद इक्युप्मेंट को स्टाफ नर्स नही चला पा रही थी। पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है।
- जिला महिला अस्पताल में कलर कोडेड डस्टबिन नहीं पाया गया। बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत डाइट रजिस्टर में सही ढंग से लेखा नही किया जा रहा था।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।
- जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं का दीवार लेखन कार्य भी पूर्ण रूप से नहीं पाया गया।
- पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल से वर्कप्लान नियमित रुप से जनरेट नहीं किया जा रहा है। एम0सी0टी0एस0 नम्बर प्रथम ए0एन0सी0 के समय अंकित नहीं किया जा रहा है।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत एक पन्नेवाला पुराना फॉर्म भराया जा रहा है जिसमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार दो कॉपी में लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र संलग्न नही है। अतः छुट्टी के समय भुगतान से सम्बन्धीत लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी भी लाभार्थी को नही दिया जा रहा है।
- प्रशिक्षण केन्द्र में चिकित्सा अधिकारियों के जे0ई0/ए0ई0एस0 के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा था, जिसका स्पोंटिव सुपरवीजन टीम द्वारा अवलोकन किया गया एवं डा0 अनिल मिश्रा माहाप्रबंधक ट्रैनिगं द्वारा जे0ई0/ए0ई0एस0 पर प्रकाश डाला गया।

सी.एच.सी. उस्का बाजार।(एफ0आर0यू0), जनपद सिद्धार्थनगर

- भ्रमण दल द्वारा निरीक्षण के समय दिन 01 बजकर 10 मिनट पर अधिकांश कार्यरत स्टाफ उपस्थिति पंजिका के आधार पर उपलब्ध नही था जिसमे मुख्यतः प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आर0 के0 शर्मा भी उपस्थित नही थे।
- जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा सूचित किया गया कि डॉ0 सौरभ वर्मा अनुस्चेतक यहां तैनात किये गये है, जबकि यह पद जिला चिकित्सालय हेतु अनुमन्य है, इनके द्वारा जिला अस्पताल में एपीडिमिक अनुभाग का कार्य लिया जा रहा है, जो कि नियम विरूद्ध है। इन्हें यहां से हटाने का सुझाव दिया गया।
- ओ0पी0डी0 में डॉ0 उपलब्ध नही था एवं ओ0पी0डी0 निरीक्षण के समय बंद पायी गयी।
- इस सी0एच0सी0 में विगत वित्तीय वर्ष 2015–16 से अभी तक एक भी सीजेरियन प्रसव नहीं किया गया है।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत 1443 प्रसव कराये गये है।
- बी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रदाता रामा इन्फोटेक द्वारा 04 माह से भुगतान नहीं किया गया है। ए0सी0एम0ओ को सम्बंधित प्रदाता रामा इन्फोटेक द्वारा भुगतान कराने को कहा गया।

- उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार सूची उपलब्ध नहीं थी।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।
- रेडिएण्ट वार्मर का प्रयोग नहीं किया जा रहा था।
- प्रसव कक्ष में आक्सीटोसीन फ्रीज में नहीं रखी गयी थी।
- प्रसव कक्ष में गंदगी पायी गयी एवं डिलिवरी ट्रे एवं दवायें भी मानकानुसार उपलब्ध नहीं थे। कलर कोडेड डस्टबिन प्रोटोकाल एवं बायोलाजिकल वेस्ट मैनेजमेंट के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। प्लेसेन्टा एवं प्रसव सम्बन्धी अन्य कचरे का बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन नहीं हो रहा है।
- सपोर्टिव सुपरविजन का वाहन नहीं था।
- ओ0टी0 की छत जर्जर स्थिति में थी एवं दरारे भी पायी गयी।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत डाइट रजिस्टर पूर्ण नहीं किया जा रहा था एवं भोजन में अण्डा दूध एवं ब्रेड का ही प्रावधान था।

वी0एच0एन0डी0 सत्र– ग्राम पंचायत, भवन, मदनपुर, उस्का बाजार

भ्रमण दल द्वारा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डी0पी0एम0, डी0सी0पी0एम0 एवं बी0सी0पी0एम0 के साथ वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सुश्री आशा देवी, ए0एन0एम0, सुश्री जगरानी, आशा एवं सुश्री बीना मिश्रा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री वी0एच0एन0डी0 सत्र में उपस्थिति थी।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र का आयोजन ग्राम पंचायत, भवन पर किया जा रहा था। जो अत्यन्त जर्जर हालात में था। लाभार्थियों के ए0एन0सी0 परीक्षण हेतुं कोई भी व्यवस्था स्थल पर नही थी।
- ए0एन0एम0 द्वारा टिकाकरण के उपरान्त Hub cutter का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। ए0एन0एम0 needle को एक स्थान पर एकत्रित कर रही थी।
- बी0पी0 मशीन उचित काम नहीं कर रही थी।
- आशा डायरी में अकिंत सूचनाऐं पूर्ण भरी नहीं जा रही थी।
- एम0सी0पी0 कार्ड updated नहीं था।
- आर0सी0एच0 रजिस्टर ठीक से नहीं भरा जा रहा था। एम0सी0टी0एस0 नम्बर प्रथम ए0एन0सी0 के समय अंकित नहीं किया जा रहा है। बैंक खाता एवं अन्य सूचनाएं भी नहीं अंकित हो रही थी।

25.05.17

Arvind K. Tripathi
Consultant, N.H.M.